

गोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए महाप्रबंधक, खनिज एवं धातु व्यापार निगम, गोवा को न्यासी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की दिनांक 31-3-1992 की अधिसूचना संख्या 389(अ) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 9 के सामने “उप महाप्रबंधक, खनिज एवं धातु व्यापार निगम, गोवा” शब्दों के स्थान पर “महाप्रबंधक, खनिज एवं धातु व्यापार निगम, गोवा” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[फा.सं. पी.टी. 18011/8/91-पी. टी.]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January, 1993

G.S.R. 25(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (6) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (31 of 1963), the Central Government hereby appoints General Manager, MMTC Goa as a Trustee on the Port of Mormugao to represent Mineral and Metal Trading Corporation of India Limited (MMTC), Goa and makes the following amendment in the Notification of Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 389(E) date 31-3-1992, namely :—

In the said notification against serial No. 9 for the words “Deputy General Manager, Mineral and Metals Trading Corporation, Goa”, the word “General Manager, Mineral and Metals Trading Corporation, Goa” shall be substituted.

[F. No. PT-18011/8/91-P1
ASHOKE JOSHI, Jt. Sec



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 22, 1993/माघ 2, 1914

No. 19]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 22, 1993/MAGHA 2, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलपत्र संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1993

सा. का. नि. 26(अ):—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 7 के साथ पठित धारा 21 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ .—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम एक सौ रुपए (जिसमें 50 प्रतिशत चांदी, 40 प्रतिशत तांबा, 5 प्रतिशत निकल और 5 प्रतिशत जस्त हो) 50 रुपए, 10 रुपए और एक रुपया (जिसमें 75 प्रतिशत तांबा और 25 प्रतिशत निकल हो) के सिक्कों का “भारत छोड़ो आन्दोलन (1942—1992) के स्वर्ण जयन्ती समारोह” के अवसर की स्मृति में निर्माण (स्मारक सिक्कों का मानक वजन और उपचार) नियम, 1993 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।